चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	14-12-23	3	3-5

• हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में दो दिवसीय प्रशिक्षण का हुआ शुभारंभ

ई-संसाधनों का प्रयोग कर विद्यार्थियों को हमेशा रहना चाहिए अपडेट : वीसी

भास्कर न्यूज | हिसार

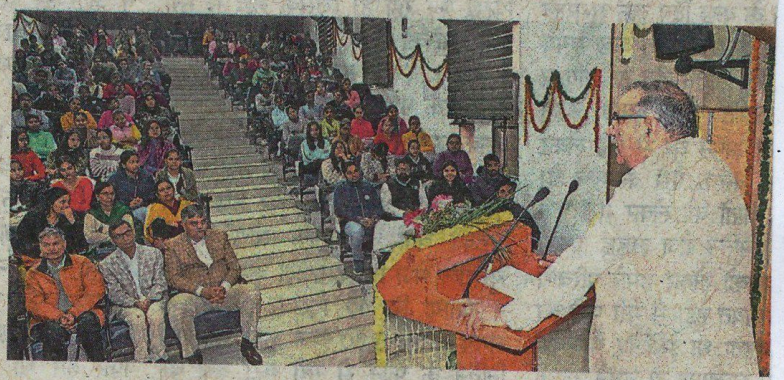

ज्ञान अब देश व विदेश की परिधि में बंधा हुआ नहीं है बल्कि सूचना प्रौद्योगिकी आईटी के आगमन के साथ यह विभिन्न आईसीटी तकनीकों के माध्यम से सीमाओं से परे फैल रहा है। इसने दुनियाभर के पुस्तकालयों पर बहुत बड़ा प्रभाव डाला है। ये विचार हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहे। वे आज विवि के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में नेहरू पुस्तकालय द्वारा 'शैक्षणिक ई-संसाधनों के प्रति जागरूकता एवं उपयोग' पर आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण के शुभारंभ पर संबोधित कर रहे थे।

इस प्रशिक्षण का आयोजन विश्वविद्यालय के नेहरू पुस्तकालय द्वारा किया गया है। मुख्यातिथि प्रो. काम्बोज ने कहा कि पुस्तकालय उपयोगकर्ताओं विशेषकर विद्यार्थियों को इन ई-संसाधनों के उपयोग के बारे में जागरूक करना बहुत जरूरी बन गया है। ये संसाधन विभिन्न वेबसाइटों के माध्यम से उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा आज पुस्तकालय विभिन्न ई-संसाधनों जैसे ई-पुस्तकें, ई-जर्नल, सांख्यिकीय डेटाबेस, ई-लर्निंग टूल इत्यादि की सदस्यता ले रहे हैं, कंसोर्टिया में भाग ले रहे हैं और इंटरनेट पर स्वतंत्र रूप से सुलभ ओपन एक्सेस संसाधनों की पहचान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि नेहरू पुस्तकालय अपने स्वचालन के लिए नवीनतम तकनीक के कार्यान्वयन और अपने उपयोगकर्ताओं को बेहतर और त्वरित सेवाएं प्रदान करने में ट्रेंड सेंटर रही है। हाल ही में नेहरू लाइब्रेरी ने सीसीएसएचएयू ई-लाइब्रेरी नाम से रिफ्रेड डिस्कवरी प्लेटफॉर्म की सदस्यता ली है।

स्नातकोत्तर शिक्षा अधिष्ठाता, आईडीपी परियोजना के प्रमुख अन्वेषक एवं पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. केडी शर्मा ने पुस्तकालय में उपलब्ध सुविधाओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में पुस्तकालय में 3.82 लाख प्रिंट दस्तावेज हैं और डेटाबेस के माध्यम से करीब 2.75 लाख ई-पुस्तकें, 4,300 से अधिक ई-जर्नल भारतीय और विदेशी जर्नल सब्सक्राइब्ड और कंसोर्टियम और 4.30 लाख प्रश्न बैंक डेटाबेस सहित अन्य लेखों का पुस्तकालय उपयोगितकर्ता लाभ उठा रहे हैं।

नेहरू पुस्तकालय के पूर्व पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. बलवान सिंह ने राष्ट्रीय कृषि उच्चतर शिक्षा परियोजना आईडीपी प्रोजेक्ट के तहत आयोजित उपरोक्त दो दिवसीय प्रशिक्षण के कार्यक्रमों, तकनीकी सत्रों सहित समस्त रूपरेखा की जानकारी दी। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. राजीव पटेरिया ने धन्यवाद किया, जबकि मंच का संचालन डॉ. सीमा परमार ने किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	15-12-23	11	2-5

दो दिवसीय प्रशिक्षण का शुभारंभ

ई-संसाधनों का उपयोग करके अपडेट रहें विद्यार्थी: प्रो. काम्बोज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा है कि ज्ञान अब देश व विदेश की परिधि में बंधा हुआ नहीं है बल्कि सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) के आगमन के साथ यह विभिन्न आईसीटी तकनीकों के माध्यम से सीमाओं से परे फैल रहा है। इसने दुनिया भर के पुस्तकालयों पर बहुत बड़ा प्रभाव डाला है। प्रो. काम्बोज विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में नेहरू पुस्तकालय की ओर से शैक्षणिक ई-संसाधनों के प्रति जागरूकता एवं उपयोग विषय पर आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण के शुभारंभ अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

इस प्रशिक्षण का आयोजन विश्वविद्यालय के नेहरू पुस्तकालय द्वारा किया गया है। उन्होंने कार्यशाला में उपस्थित छात्राओं की अधिक संख्या पर खुशी जाहिर की और कहा कि पुस्तकालय उपयोगकताअरं विशेषकर विद्यार्थियों को इन ई-संसाधनों के उपयोग के बारे में जागरूक करना बहुत जरूरी बन गया है क्योंकि ये संसाधन विभिन्न वेबसाइटों के माध्यम से उपलब्ध हैं। मैं जानता हूं कि हकृवि के विद्यार्थी नेहरू पुस्तकालय में उपलब्ध सुविधाओं का लाभ उठाकर अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर के संस्थानों में प्रतिष्ठित पदों पर कार्य कर रहे हैं।

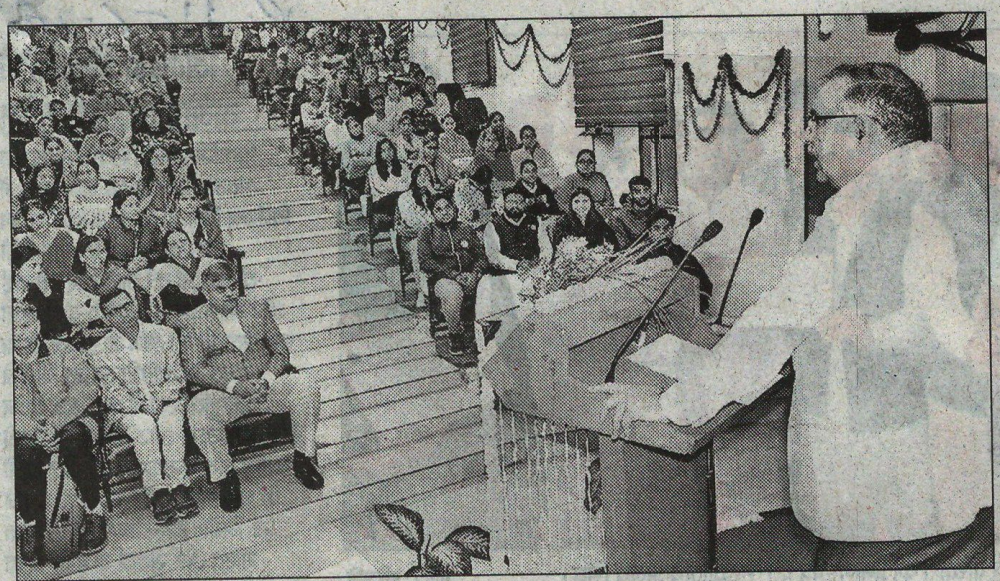

हिसार। प्रशिक्षण के शुभारंभ अवसर पर अपना संबोधन देते कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज। फोटो :हरिभूमि

उन्होंने कहा आज पुस्तकालय विभिन्न ई-संसाधनों जैसे ई-पुस्तकें, ई-जर्नल, सांख्यिकीय डेटाबेस, ई-लर्निंग टूल इत्यादि की सदस्यता ले रहे हैं, कंसोर्टिया में भाग ले रहे हैं और इंटरनेट पर स्वतंत्र रूप से सुलभ ओपन एक्सेस संसाधनों की पहचान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि नेहरू पुस्तकालय अपने स्वचालन के लिए नवीनतम तकनीक के कार्यान्वयन और अपने उपयोगकताअरं को बेहतर और त्वरित सेवाएं प्रदान करने में ट्रेंड सेंटर रही है। उन्होंने ई-संसाधन जुटाने में विश्वविद्यालय के नेहरू पुस्तकालय की प्रशंसा की तथा स्नातक विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अपने मोबाइल फोन पर इस डिस्कवरी प्लेटफार्म का मोबाइल एप डाउनलोड करें और पुस्तकालय संसाधनों तक पहुंच बनाकर लाभ उठाएं। स्नातकोत्तर शिक्षा अधिष्ठाता, आईडीपी परियोजना के प्रमुख अन्वेषक एवं पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. केडी शर्मा ने सभी का स्वागत किया और पुस्तकालय में उपलब्ध सुविधाओं के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में पुस्तकालय में 3.82 लाख प्रिंट दस्तावेज हैं और डेटाबेस के माध्यम से लगभग 2.75 लाख ई-पुस्तकें, 4,300 से अधिक ई-जर्नल भारतीय और विदेशी जर्नल (सब्सक्राइब्ड और कंसोर्टियम) और 4.30 लाख प्रश्न बैंक डेटाबेस सहित अन्य लेखों का पुस्तकालय उपयोगिताकर्ता लाभ उठा रहे हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	14-12-23	10	4-6

ई-संसाधनों से अपडेट रहें विद्यार्थियों : काम्बोज

हकृवि में दो दिवसीय प्रशिक्षण का शुभारंभ

हिसार, 13 दिसंबर (हप्र)

ज्ञान अब देश व विदेश की परिधि में बंधा हुआ नहीं है बल्कि सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) के आगमन के साथ यह विभिन्न आईसीटी तकनीकों के माध्यम से सीमाओं से परे फैल रहा है। इसने दुनिया भर के पुस्तकालयों पर बहुत बड़ा प्रभाव डाला है।

यह बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कही। वे आज विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में नेहरू पुस्तकालय द्वारा 'शैक्षणिक ई-संसाधनों के प्रति जागरूकता एवं उपयोग' विषय पर आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण के शुभारंभ अवसर पर संबोधित कर रहे थे। इस प्रशिक्षण का आयोजन विश्वविद्यालय के नेहरू पुस्तकालय द्वारा किया गया है।

हकृवि में दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के शुभारंभ अवसर पर अपना संबोधन देते कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज।

मुख्यातिथि प्रो. काम्बोज ने अपने संबोधन में कार्यशाला में उपस्थित छात्राओं की अधिक संख्या पर खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा पुस्तकालय उपयोगकर्ताओं विशेषकर विद्यार्थियों को इन ई-संसाधनों के उपयोग के बारे में जागरूक करना बहुत जरूरी बन गया है। क्योंकि ये संसाधन विभिन्न वेबसाइटों के माध्यम से उपलब्ध हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	14-12-23	3	7-8

विद्यार्थियों को ई-संसाधनों का उपयोग करके अपडेट रहना चाहिए : प्रो. काम्बोज

अपना संबोधन देते कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज।

हिसार, 13 दिसम्बर (ब्यूरो): ज्ञान अब देश व विदेश की परिधि में बंधा हुआ नहीं है, बल्कि सूचना प्रौद्योगिकी के आगमन के साथ यह विभिन्न आई.सी.टी. तकनीकों के माध्यम से सीमाओं से परे फैल रहा है। इसने दुनिया भर के पुस्तकालयों पर बहुत बड़ा प्रभाव डाला है। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहे।

वे आज विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में नेहरू पुस्तकालय द्वारा 'शैक्षणिक ई-संसाधनों के प्रति जागरूकता एवं उपयोग' विषय पर आयोजित 2 दिवसीय प्रशिक्षण के शुभारंभ अवसर पर संबोधित कर रहे थे। इस प्रशिक्षण का आयोजन विश्वविद्यालय के नेहरू पुस्तकालय द्वारा किया गया है।

मुख्यातिथि प्रो. काम्बोज ने कहा पुस्तकालय उपयोगकर्त्ताओं विशेषकर विद्यार्थियों को इन ई-संसाधनों के उपयोग के बारे में जागरूक करना बहुत जरूरी बन गया है। क्योंकि ये संसाधन विभिन्न वैबसाइटों के माध्यम से उपलब्ध हैं।

उन्होंने कहा कि कृषि पुस्तकालयों के लिए, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद विभिन्न प्रकार के ई-संसाधनों जैसे कृषिकोष डिजिटल रिपॉजिटरी, सी.ई.आर.ए.के माध्यम से ई-जर्नल्स, कृषि शिक्षा ई-लर्निंग पोर्टल और एनएआरएस के तहत कई अन्य संसाधनों तक पहुंच प्रदान करने के लिए सहायता प्रदान कर रहा है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के समस्त महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक, शिक्षाविद् और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	14-12-23	4	2-6

आयोजन

एचएयू में दो दिवसीय शैक्षणिक ई-संसाधनों के प्रति जागरूकता एवं उपयोग विषय पर प्रशिक्षण का शुभारंभ

विद्यार्थियों को ई-संसाधनों का उपयोग करके अपडेट रहना चाहिए : प्रो. कांबोज

संवाद न्यूज एजेंसी

हिसार। ज्ञान अब देश व विदेश की परिधि में बंधा हुआ नहीं है बल्कि सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) के आगमन के साथ यह विभिन्न आईसीटी तकनीकों के माध्यम से फैल रहा है। इसने दुनिया भर के पुस्तकालयों पर प्रभाव डाला है। ये विचार हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने कहे। वे बुधवार को विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में नेहरू पुस्तकालय द्वारा 'शैक्षणिक ई-संसाधनों के प्रति जागरूकता एवं उपयोग' विषय पर आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण के शुभारंभ अवसर पर संबोधित कर रहे थे। इस प्रशिक्षण का आयोजन विश्वविद्यालय के नेहरू पुस्तकालय की ओर से किया गया है। साथ ही उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को ई-संसाधनों का उपयोग करके अपडेट रहना चाहिए।

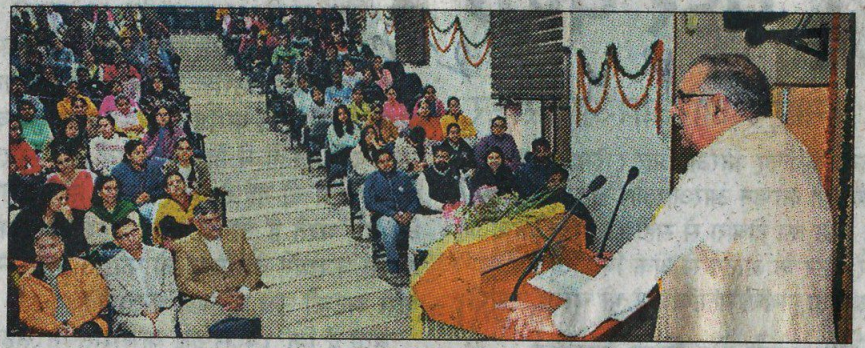

एचएयू में भाषण देते कुलपति प्रो. बीआर कांबोज। संवाद

मुख्यातिथि प्रो. कांबोज ने कहा मैं जानता हूं कि एचएयू के विद्यार्थी नेहरू पुस्तकालय में उपलब्ध सुविधाओं का लाभ उठाकर अंतरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर के संस्थानों में प्रतिष्ठित पदों पर कार्य कर रहे हैं और आज पुस्तकालय विभिन्न ई-संसाधनों जैसे ई-पुस्तकें, ई-जर्नल, सांख्यिकीय डेटाबेस, ई-लर्निंग टूल इत्यादि की सदस्यता ले रहे हैं। हाल ही में नेहरू लाइब्रेरी ने सीसीएसएचएयू ई-लाइब्रेरी नाम से रिफ्रेड डिस्कवरी प्लेटफॉर्म की सदस्यता ली है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अपने मोबाइल फोन पर इस डिस्कवरी प्लेटफार्म का मोबाइल एप डाउनलोड करें और पुस्तकालय संसाधनों तक पहुंच बनाकर लाभ उठाएं।

स्नातकोत्तर शिक्षा अधिष्ठाता, आईडीपी परियोजना के प्रमुख अन्वेषक एवं पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. केडी शर्मा ने सभी का स्वागत किया और पुस्तकालय में उपलब्ध सुविधाओं के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में पुस्तकालय में 3.82 लाख प्रिंट दस्तावेज हैं और डेटाबेस के माध्यम से लगभग 2.75 लाख ई-पुस्तकें, 4,300 से अधिक ई-जर्नल भारतीय और विदेशी जर्नल और 4.30 लाख प्रश्न बैंक डेटाबेस सहित अन्य लेखों का पुस्तकालय उपयोगिताकर्ता लाभ उठा रहे हैं।

नेहरू पुस्तकालय के पूर्व पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. बलवान सिंह ने राष्ट्रीय कृषि उच्चतर शिक्षा परियोजना (आईडीपी) प्रोजेक्ट के तहत आयोजित उपरोक्त दो दिवसीय प्रशिक्षण के कार्यक्रमों, तकनीकी सत्रों सहित समस्त रूपरेखा की जानकारी दी। प्रशिक्षण कार्यक्रम के संयोजक डॉ. राजीव पटेरिया ने धन्यवाद किया, जबकि मंच का संचालन डॉ. सीमा परमार ने किया। संवाद

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	14-12-23	5	2-8

विद्यार्थियों को ई-संसाधनों का उपयोग करके अपडेट रहना चाहिए : कुलपति प्रो.बी.आर. काम्बोज

हकृवि में दो दिवसीय शैक्षणिक ई-संसाधनों के प्रति जागरूकता एवं उपयोग विषय पर प्रशिक्षण का शुभारंभ

हिसार, 13 दिसम्बर (विरेंद्र वर्मा): ज्ञान अब देश व विदेश की परिधि में बंधा हुआ नहीं है बल्कि सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) के आगमन के साथ यह विभिन्न आईसीटी तकनीकों के माध्यम से सीमाओं से परे फैल रहा है। इसने दुनिया भर के पुस्तकालयों पर बहुत बड़ा प्रभाव डाला है। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे आज विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में नेहरू पुस्तकालय द्वारा 'शैक्षणिक ई-संसाधनों के प्रति जागरूकता एवं उपयोग' विषय पर आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण के शुभारंभ अवसर पर संबोधित कर रहे थे। इस प्रशिक्षण का आयोजन विश्वविद्यालय के नेहरू पुस्तकालय द्वारा किया गया है। मुख्यातिथि प्रो. काम्बोज ने अपने संबोधन में कार्यशाला में उपस्थित छात्राओं की अधिक संख्या पर खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा पुस्तकालय उपयोगकर्ताओं विशेषकर विद्यार्थियों को इन ई-संसाधनों के उपयोग के बारे में जागरूक करना बहुत जरूरी बन गया है। क्योंकि ये संसाधन विभिन्न वेबसाइटों के माध्यम से उपलब्ध हैं। मैं जानता हूं कि हकृवि के विद्यार्थी नेहरू पुस्तकालय में उपलब्ध सुविधाओं का लाभ उठाकर अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर के संस्थानों में प्रतिष्ठित पदों पर कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा आज पुस्तकालय विभिन्न ई-संसाधनों जैसे ई-पुस्तकें, ई-जर्नल, सांख्यिकीय डेटाबेस, ई-लर्निंग टूल इत्यादि की सदस्यता ले रहे हैं, कंसोर्टिया में भाग ले रहे हैं और

हकृवि में दो दिवसीय शैक्षणिक ई-संसाधनों के प्रति जागरूकता एवं उपयोग विषय पर आयोजित प्रशिक्षण के शुभारंभ अवसर पर अपना संबोधन देते कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज।

इंटरनेट पर स्वतंत्र रूप से सुलभ ओपन एक्सेस संसाधनों की पहचान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कृषि पुस्तकालयों के लिए, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) विभिन्न प्रकार के ई-संसाधनों जैसे कृषिकोश डिजिटल रिपॉजिटरी, सीईआरए के माध्यम से ई-जर्नल्स, कृषि शिक्षा ई-लर्निंग पोर्टल और एनएआरएस के तहत कई अन्य संसाधनों तक पहुंच प्रदान करने के लिए सहायता प्रदान कर रहा है। उन्होंने कहा कि नेहरू पुस्तकालय अपने स्वचालन के लिए नवीनतम तकनीक के कार्यान्वयन और अपने उपयोगकर्ताओं को बेहतर और त्वरित सेवाएं प्रदान करने में ट्रेंड सेंटर रही है। हाल ही में नेहरू लाइब्रेरी ने सीसीएसएचएयू ई-लाइब्रेरी नाम से रिफेड डिस्कवरी प्लेटफॉर्म की सदस्यता ली है। इस एकल खोज मंच के माध्यम से, लाइब्रेरी वेब ब्राउजर का उपयोग करके सीसीएसएचएयू के शैक्षणिक और अनुसंधान समुदाय के लिए अपने सभी ई-संसाधनों तक दूरस्थ पहुंच प्रदान कर रही है। उन्होंने ई-संसाधन जुटाने में विश्वविद्यालय के नेहरू पुस्तकालय की प्रशंसा की तथा स्नातक विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अपने मोबाइल फोन पर इस डिस्कवरी प्लेटफार्म का मोबाइल एप डाउनलोड करें और पुस्तकालय संसाधनों तक पहुंच बनाकर लाभ उठाएं। स्नातकोत्तर शिक्षा अधिष्ठाता, आईडीपी परियोजना के प्रमुख अन्वेषक एवं पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. के.डी.शर्मा ने सभी का स्वागत किया और पुस्तकालय में उपलब्ध सुविधाओं के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में पुस्तकालय में 3.82 लाख प्रिंट दस्तावेज़ हैं और डेटाबेस के माध्यम से लगभग 2.75 लाख ई-पुस्तकें, 4,300 से अधिक ई-जर्नल भारतीय और विदेशी जर्नल (सब्सक्राइब्ड और कंसोर्टियम) और 4.30 लाख प्रश्न बैंक डेटाबेस सहित अन्य लेखों का पुस्तकालय उपयोगिताकर्ता लाभ उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के पुस्तकालय ई-पोर्टल को अपडेट कर नवीनतम तकनीकों को अधिक से अधिक विद्यार्थियों तक पहुंचाने के लिए प्रयासरत है नेहरू पुस्तकालय के पूर्व पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. बलवान सिंह ने राष्ट्रीय कृषि उच्चतर शिक्षा परियोजना (आईडीपी) प्रोजेक्ट के तहत आयोजित उपरोक्त दो दिवसीय प्रशिक्षण के कार्यक्रमों, तकनीकी सत्रों सहित समस्त रूपरेखा की जानकारी दी। प्रशिक्षण कार्यक्रम के संयोजक डॉ. राजीव पटेरिया ने धन्यवाद किया, जबकि मंच का संचालन डॉ. सीमा परमार ने किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	14-12-23	2	4-5

ई-संसाधनों के उपयोग के बारे में जागरूक करना जरूरी : कुलपति

जागरण संवाददाता, हिसार : ज्ञान अब देश व विदेश की परिधि में बंधा हुआ नहीं है बल्कि सूचना प्रौद्योगिकी (आइटी) के आगमन के साथ यह विभिन्न आइसीटी तकनीकों के माध्यम से सीमाओं से परे फैल रहा है। इसने दुनिया भर के पुस्तकालयों पर बहुत बड़ा प्रभाव डाला है। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहे। वे विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में नेहरू पुस्तकालय द्वारा शैक्षणिक ई-संसाधनों के प्रति जागरूकता एवं उपयोग विषय पर आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण के शुभारंभ पर संबोधित कर रहे थे।

मुख्यातिथि प्रो. काम्बोज ने कहा पुस्तकालय उपयोगकर्ताओं विशेषकर विद्यार्थियों को इन ई-संसाधनों के उपयोग के बारे में जागरूक करना बहुत जरूरी बन गया है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	13.12.2023	--	--

विद्यार्थियों को ई-संसाधनों का उपयोग करके अपडेट रहना चाहिए : प्रो. बी.आर. काम्बोज

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। ज्ञान अब देश व विदेश की परिधि में बंधा हुआ नहीं है बल्कि सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) के आगमन के साथ यह विभिन्न आईसीटी तकनीकों के माध्यम से सीमाओं से परे फैल रहा है। इसने दुनिया भर के पुस्तकालयों पर बहुत बड़ा प्रभाव डाला है। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे आज मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में नेहरू पुस्तकालय द्वारा 'शैक्षणिक ई-संसाधनों के प्रति जागरूकता एवं उपयोग' विषय पर आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण के शुभारंभ अवसर पर संबोधित कर रहे थे।

प्रो. काम्बोज ने कहा पुस्तकालय उपयोगकर्ताओं विशेषकर विद्यार्थियों को इन ई-संसाधनों के उपयोग के बारे में जागरूक करना बहुत जरूरी बन गया है। क्योंकि ये संसाधन विभिन्न वेबसाइटों के माध्यम से उपलब्ध हैं। आज पुस्तकालय विभिन्न ई-संसाधनों जैसे ई-पुस्तकें, ई-जर्नल, साख्यिकीय डेटाबेस, ई-लर्निंग टूल इत्यादि की सदस्यता ले रहे हैं, कंसोर्टिया में भाग ले रहे हैं और इंटरनेट पर स्वतंत्र रूप से सुलभ ओपन एक्सेस संसाधनों की पहचान

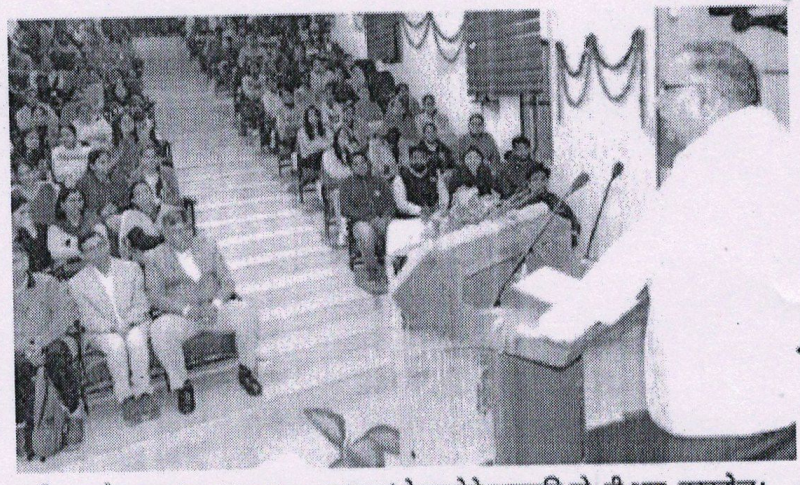

प्रशिक्षण के शुभारंभ अवसर पर अपना संबोधन देते कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज।

कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कृषि पुस्तकालयों के लिए, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) विभिन्न प्रकार के ई-संसाधनों जैसे कृषिकोश डिजिटल रिपॉजिटरी, सीईआरए के माध्यम से ई-जर्नल्स, कृषि शिक्षा ई-लर्निंग पोर्टल और एनएआरएस के तहत कई अन्य संसाधनों तक पहुंच प्रदान करने के लिए सहायता प्रदान कर रहा है।

उन्होंने ई-संसाधन जुटाने में विश्वविद्यालय के नेहरू पुस्तकालय की प्रशंसा की तथा स्नातक विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अपने मोबाइल फोन पर इस डिस्कवरी प्लेटफार्म का मोबाइल एप डाउनलोड करें और पुस्तकालय संसाधनों तक पहुंच बनाकर लाभ उठाएं।

पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. के.डी. शर्मा ने पुस्तकालय में उपलब्ध सुविधाओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में पुस्तकालय में 3.82 लाख प्रिंट दस्तावेज़ हैं और डेटाबेस के माध्यम से लगभग 2.75 लाख ई-पुस्तकें, 4,300 से अधिक ई-जर्नल भारतीय और विदेशी जर्नल (सब्सक्राइब्ड और कंसोर्टियम) और 4.30 लाख प्रश्न बैंक डेटाबेस सहित अन्य लेखों का पुस्तकालय उपयोगिताकर्ता लाभ उठा रहे हैं।

इस अवसर पर पूर्व पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. बलवान सिंह, डॉ. सीमा परमार, डॉ. राजीव पटेरिया, विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक, शिक्षाविद् और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
चिराग टाइम्स	13.12.2023	--	--

विद्यार्थियों को ई-संसाधनों का उपयोग करके अपडेट रहना चाहिए : कुलपति प्रो.बी.आर. काम्बोज

हिसार (चिराग टाइम्स)

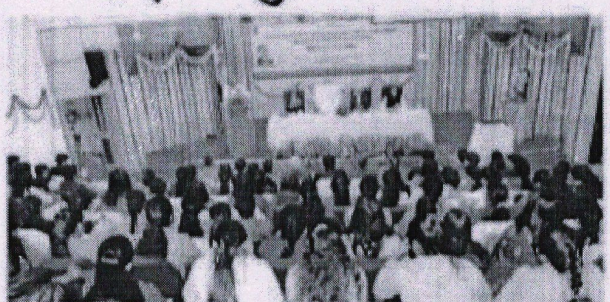

ज्ञान अब देश व विदेश की परिधि में बंधा हुआ नहीं है बल्कि सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) के आगमन के साथ यह विभिन्न आईसीटी तकनीकों के माध्यम से सीमाओं से परे फैल रहा है। इसने दुनिया भर के पुस्तकालयों पर बहुत बड़ा प्रभाव डाला है। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे आज विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में नेहरू पुस्तकालय द्वारा 'शैक्षणिक ई-संसाधनों के प्रति जागरूकता एवं उपयोग' विषय पर आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण के शुभारंभ अवसर पर संबोधित कर रहे थे। इस प्रशिक्षण का आयोजन विश्वविद्यालय के नेहरू पुस्तकालय द्वारा किया गया है। मुख्यातिथि प्रो. काम्बोज ने अपने संबोधन में कार्यशाला में उपस्थित छात्राओं की अधिक संख्या पर खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा पुस्तकालय उपयोगकर्ताओं विशेषकर विद्यार्थियों को इन ई-संसाधनों के उपयोग के बारे में जागरूक करना बहुत जरूरी बन गया है। उन्होंने कहा कि नेहरू पुस्तकालय अपने स्वचालन के लिए नवीनतम तकनीक के कार्यान्वयन और अपने उपयोगकर्ताओं को बेहतर और त्वरित सेवाएं प्रदान करने में ट्रेंड सेटर रही है।उन्होंने ई-संसाधन जुटाने में विश्वविद्यालय के नेहरू पुस्तकालय की प्रशंसा की तथा स्नातक विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अपने मोबाइल फोन पर इस डिस्कवरी प्लेटफार्म का मोबाइल एप डाउनलोड करें और पुस्तकालय संसाधनों तक पहुंच बनाकर लाभ उठाएं।

स्नातकोत्तर शिक्षा अधिष्ठाता, आईडीपी परियोजना के प्रमुख अन्वेषक एवं पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. के.डी.शर्मा ने सभी का स्वागत किया और पुस्तकालय में उपलब्ध सुविधाओं के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में पुस्तकालय में 3.82 लाख प्रिंट दस्तावेज हैं और डेटाबेस के माध्यम से लगभग 2.75 लाख ई-पुस्तकें, 4,300 से अधिक ई-जर्नल भारतीय और विदेशी जर्नल (सब्सक्राइब्ड और कंसोर्टियम) और 4.30 लाख प्रश्न बैंक डेटाबेस सहित अन्य लेखों का पुस्तकालय उपयोगिताकर्ता लाभ उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के पुस्तकालय ई-पोर्टल को अपडेट कर नवीनतम तकनीकों को अधिक से अधिक विद्यार्थियों तक पहुंचाने के लिए प्रयासरत है।

नेहरू पुस्तकालय के पूर्व पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. बलवान सिंह ने राष्ट्रीय कृषि उच्चतर शिक्षा परियोजना (आईडीपी) प्रोजेक्ट के तहत आयोजित उपरोक्त दो दिवसीय प्रशिक्षण के कार्यक्रमों, तकनीकी सत्रों सहित समस्त रूपरेखा की जानकारी दी। प्रशिक्षण कार्यक्रम के संयोजक डॉ. राजीव पटेरिया ने धन्यवाद किया, जबकि मंच का संचालन डॉ. सीमा परमार ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के समस्त महाविद्यालयों के अधिष्ठाता निदेशक, विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक शिक्षाविद् और विद्यार्थी उपस्थित रहे

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा	13.12.2023	--	--

ई-संसाधनों का उपयोग करके अपडेट रहें विद्यार्थी : प्रो. काम्बोज

समस्त हरियाणा न्यूज

[illegible]

[illegible]

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	13.12.2023	--	--

हकृवि के एबिक सेंटर में 'कृषि एवं खाद्य प्रणाली में समावेशी व्यवसाय' विषय पर कार्यशाला का आयोजन

कृषि में उद्यमियता की अपार संभावनाएं, बेरोजगार युवक उठाए फायदा : कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज

हरियाणा व तेलगांना के किसानों के हित और आमदनी बढ़ाने के लिए योजनाएं तैयार करेगा यूएनओ : मार्ता पैरेज

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 13 दिसम्बर : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और इन्वेस्ट इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में आज एग्रीबिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर (एबिक) में 'कृषि एवं खाद्य प्रणाली में समावेशी व्यवसाय' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने इस कार्यक्रम की अध्यक्षता की। इस दौरान संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी और पश्चिम क्षेत्रीय आर्थिक एवं सामाजिक आयोग (यूएनओ) के सीनियर अधिकारी इमैनुएल कोर्बि, आर्थिक मामलों के अधिकारी मार्ता पैरेज व परियोजना अधिकारी इवांका फ्लोरा मौजूद रहे। इसके अलावा हरियाणा सरकार में विदेशी सहकारिता विभाग के सलाहकार श्री पवन चौधरी, हैफेड के चेयरमैन श्री कैलाश भगत एवं हरियाणा सरकार में इन्वेस्ट इंडिया एजेंसी के सीनियर असिस्टेंट वाइस प्रेसिडेंट निरुपा [illegible] भी उपस्थित थीं।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने अपने संबोधन में समावेशी व्यवसाय विषय पर काम कर रहे उद्यमियों व किसानों के लिए विश्वविद्यालय की ओर से उपलब्ध करवाई जा रही सुविधाओं पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि एबिक सेंटर व [illegible] कई अन्य को तकनीकी सहायता प्रदान कर रहा है बल्कि आवश्यकता के अनुसार उन्हें आर्थिक सहायता भी प्रदान करता है। एबिक युवा किसानों को उनके उत्पाद की प्रोसेसिंग, मूल्य संवर्धन, पैकेजिंग, मार्केटिंग व ब्रांडिंग जैसे महत्वपूर्ण कार्यों के लिए सहायता प्रदान करता है ताकि वे अपने व्यवसाय को उच्च स्तर पर स्थापित कर सकें। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय हर जिले में स्थापित कृषि विज्ञान केंद्र के माध्यम से ग्रामीण व शहरी महिलाओं, युवाओं व प्रदेश के किसानों को जागरूक, समृद्ध और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि [illegible] प्रदेश के 6 लाख किसानों से सीधे तौर पर जुड़ा हुआ है।

हरियाणा एवं तेलंगाना को समावेशी व्यवसाय से जोड़ा जाएगा : मार्ता पैरेज

संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी और पश्चिम क्षेत्रीय आर्थिक एवं सामाजिक आयोग (यूएनओ) के आर्थिक मामलों के अधिकारी मार्ता पैरेज ने बताया कि यह संगठन हरियाणा व तेलंगाना में कृषि और इन्वेस्ट इंडिया के संयुक्त तत्वावधान से कृषि एवं खाद्य प्रणाली में समावेशी व्यवसाय विषय पर किसानों के हित और आमदनी बढ़ाने के लिए योजनाएं तैयार करेगा। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत उपरोक्त दोनों प्रदेशों के किसानों के उत्पादों का खर्च कम करने व उनको आर्थिक रूप से मजबूत बनाने और उद्यमियों को समृद्ध बनाने के लिए प्रयास किए जाएंगे।

हैफेड के चेयरमैन कैलाश भगत ने कहा कि कृषि द्वारा तैयार [illegible] फसल किस्मों के माध्यम से किसान लगातार पैदावार बढ़ा रहा है। साथ ही हैफेड किसानों के उत्पादों को बाजार में विक्रय करने में हर संभव प्रयास कर रहा है।

हरियाणा सरकार के विदेशी सहकारिता विभाग के सलाहकार पवन चौधरी ने कहा कि हरियाणा प्रदेश पूरे भारतवर्ष में उद्यमियों को व्यापक सुविधाएं मुहैया करवाने में अग्रणी है। उन्होंने [illegible] योजना, मेरी फसल मेरा ब्यौरा, परिवार पहचान पत्र, किसान उत्पादक संगठन जैसी स्कीमों के बारे में संयुक्त राष्ट्र से आई टीम के सदस्यों को अवगत करवाया। साथ ही उन्होंने हरियाणा में स्थापित चार फूड पार्क, 3 हजार से ज्यादा फूड प्रोसेसिंग यूनिट्स, 5 कोल्ड चेन के कार्यों के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश बागवानी एवं दुग्ध उत्पादन में भी अग्रणी है। उन्होंने कहा कि हरियाणा का विदेशी सहकारिता विभाग प्रदेश के उद्यमियों के उत्पादों को निर्यात करने पर विशेष कार्य कर रहा है।

इस अवसर पर कुलपति के ओएसडी एवं एबिक के डायरेक्टर डॉ. अतुल ढींगड़ा, रिजनल इन्वेस्टीगेटर (आरकेवीवाई) डॉ. राजेश गेरा सहित इंटेलिजेंस ग्रुप, एफपीओ, नाबार्ड व अन्य बैंकों के अधिकारीगण, एग्रीकैफिट एवं एबिक सेंटर के सदस्य भी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाक्षिक पक्ष	13.12.2023	--	--

हकृवि के वैज्ञानिकों ने आलू की फसल में पिछेती झुलसा बीमारी के प्रकोप की संभावना जताई, फफूंदनाशक छिड़काव करने की दी सलाह

पाक्षिकपक्ष न्यूज

हिसार, 13 दिसम्बर : भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान, शिमला-हिमाचल प्रदेश द्वारा विकसित इंडो-ब्लाइटकास्ट पैन इंडिया मॉडल से पिछेती झुलसा बीमारी का पूर्वानुमान लगाया गया है। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि वैज्ञानिक फसलों में आने वाली समस्याओं के बारे में समय से पहले किसानों को लगातार सलाह दे रहे हैं। इसी कड़ी में आलू से संबंधित किसानों को सलाह दी जा रही है कि भविष्य में हिसार जिले में आलू की फसल में पिछेती झुलसा बीमारी आने की संभावना है, जिन किसानों ने आलू की फसल में अभी तक फफूंदनाशक दवा का छिड़काव नहीं किया है या जिनकी आलू की फसल में पिछेती झुलसा बीमारी प्रकट नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि किसान मैन्कोजेब, इंडोफील एम-45 या मैनजेब दवा 600 से 800 ग्राम प्रति एकड़ के हिसाब से छिड़काव करें। साथ ही 10 दिन के अंतराल में किसान आलू की फसल से जल निकासी का उचित प्रबंध करें और खेतों को खरपतवार रहित रखें। कृषि महाविद्यालय के सब्जी विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. एस.के. तेहलान ने कहा कि पिछेती झुलसा बीमारी फाइटोफ्थोरा इन्फेस्टाइंस फफूंद के कारण होता है, जिसका प्रभाव पौधों के सभी भागों जैसे पत्तियों, तने व कदों पर दिखाई पड़ते हैं। पिछेती झुलसा बीमारी का प्रारंभिक लक्षण आलू के पौधों की पत्तियों पर धब्बों के रूप में दिखाई देता है जो बाद में गहरे भूरे तथा बैंगनी रंग में बदल जाता है। उन्होंने कहा कि किसानों को आलू की फसल को पिछेती झुलसा बीमारी से बचाने के लिए समय-समय पर फफूंदनाशक दवाईयों का छिड़काव करते रहना चाहिए। साथ ही फसल की निगरानी हर 10 दिन के अंदर करते रहना चाहिए। वैज्ञानिक डॉ. राकेश चुघ ने किसानों को आलू की फसल में पिछेती झुलसा बीमारी के लक्षण और रोकथाम की विस्तारपूर्वक जानकारी देते हुए बताया कि आलू के पौधों की पत्तियों पर यदि धब्बे दिखाई देते हैं तो उसके चारों तरफ हल्के पीले रंग का घेरा भी बन जाता है। साथ ही मौसम में बदलाव होने पर तापमान में अधिक नमी का होना और बादल छाए रहते है तो धब्बे बड़े होने लग जाते हैं, जिससे पत्तियों की निचली सतह पर फफूंद की परत जमने लगती है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे	13.12.2023	--	--

हकृवि में दो दिवसीय शैक्षणिक ई-संसाधनों के प्रति जागरूकता एवं उपयोग विषय पर प्रशिक्षण का शुभारंभ

ई-संसाधनों का उपयोग करके अपडेट रहें विद्यार्थी : प्रो. काम्बोज

पांच बजे न्यूज

हिसार। ज्ञान अब देश व विदेश की परिधि में बंधा हुआ नहीं है बल्कि सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) के आगमन के साथ यह विभिन्न आईसीटी तकनीकों के माध्यम से सीमाओं से परे फैल रहा है। इसने दुनिया भर के पुस्तकालयों पर बहुत बड़ा प्रभाव डाला है। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे आज विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में नेहरू पुस्तकालय द्वारा 'शैक्षणिक ई-संसाधनों के प्रति जागरूकता एवं उपयोग' विषय पर आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण के शुभारंभ अवसर पर संबोधित कर रहे थे। इस प्रशिक्षण का आयोजन विश्वविद्यालय के नेहरू पुस्तकालय द्वारा किया गया है।

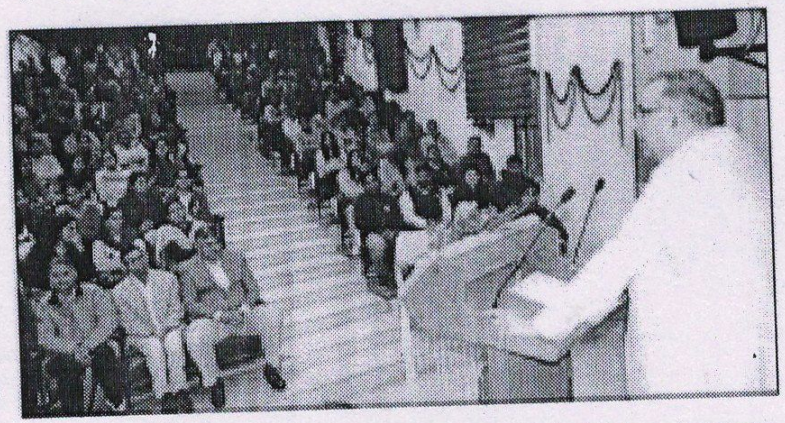

मुख्यातिथि प्रो. काम्बोज ने अपने संबोधन में कार्यशाला में उपस्थित छात्राओं की अधिक संख्या पर खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा पुस्तकालय उपयोगकर्ताओं विशेषकर विद्यार्थियों को इन ई-संसाधनों के उपयोग के बारे में जागरूक करना बहुत जरूरी बन गया है। क्योंकि ये संसाधन विभिन्न वेबसाइटों के माध्यम से उपलब्ध हैं। मैं जानता हूं कि हकृवि के विद्यार्थी नेहरू पुस्तकालय में उपलब्ध सुविधाओं का लाभ उठाकर अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर के संस्थानों में प्रतिष्ठित पदों पर कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा आज पुस्तकालय विभिन्न ई-संसाधनों जैसे ई-पुस्तकें, ई-जर्नल, सांख्यिकीय डेटाबेस, ई-लर्निंग टूल इत्यादि की सदस्यता ले रहे हैं, कंसोर्टिया में भाग ले रहे हैं और इंटरनेट पर स्वतंत्र रूप से सुलभ ओपन एक्सेस संसाधनों की पहचान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कृषि पुस्तकालयों के लिए, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) विभिन्न प्रकार के ई-संसाधनों जैसे कृषिकोश डिजिटल रिपॉजिटरी, सीईआरए के माध्यम से ई-जर्नल्स, कृषि शिक्षा ई-लर्निंग पोर्टल और एनएआरएस के तहत कई अन्य संसाधनों तक पहुंच प्रदान करने के लिए सहायता प्रदान कर रहा है। उन्होंने कहा कि नेहरू पुस्तकालय अपने स्थापनाकाल से ही नवीनतम तकनीक के कार्यान्वयन और अपने उपयोगकर्ताओं को बेहतर और त्वरित सेवाएं प्रदान करने में ट्रेंड सेटर रही है। हाल ही में नेहरू लाइब्रेरी ने सीसीएसएचएयू ई-लाइब्रेरी नाम से रिमोट डिस्कवरी प्लेटफॉर्म की सदस्यता ली है। इस एकल खोज मंच के माध्यम से, लाइब्रेरी वेब ब्राउजर का उपयोग करके सीसीएसएचएयू के शैक्षणिक और अनुसंधान समुदाय के लिए अपने सभी ई-संसाधनों तक दूरस्थ पहुंच प्रदान कर रही है। उन्होंने ई-संसाधन जुटाने में विश्वविद्यालय के नेहरू पुस्तकालय की प्रशंसा की तथा स्नातक विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अपने मोबाइल फोन पर इस डिस्कवरी प्लेटफार्म का मोबाइल एप डाउनलोड करें और पुस्तकालय संसाधनों तक पहुंच बनाकर लाभ उठाएं।

स्नातकोत्तर शिक्षा अधिष्ठाता, आईडीपी परियोजना के प्रमुख अन्वेषक एवं पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. के.डी.शर्मा ने पुस्तकालय में उपलब्ध सुविधाओं के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में पुस्तकालय में 3.82 लाख प्रिंट दस्तावेज़ हैं और डेटाबेस के माध्यम से लगभग 2.75 लाख ई-पुस्तकें, 4,300 से अधिक ई-जर्नल भारतीय और विदेशी जर्नल (सब्सक्राइब्ड और कंसोर्टियम) और 4.30 लाख प्रश्न बैंक डेटाबेस सहित अन्य लेखों का पुस्तकालय उपयोगकर्ता लाभ उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के पुस्तकालय ई-पोर्टल को अपडेट कर नवीनतम तकनीकों को अधिक से अधिक विद्यार्थियों तक पहुंचाने के लिए प्रयासरत है।

नेहरू पुस्तकालय के पूर्व पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. बलवान सिंह ने राष्ट्रीय कृषि उच्चतर शिक्षा परियोजना (आईडीपी) प्रोजेक्ट के तहत आयोजित उपरोक्त दो दिवसीय प्रशिक्षण के कार्यक्रमों, तकनीकी सत्रों सहित समस्त रूपरेखा की जानकारी दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	14-12-23	5	6-8

मधुक्रांति योजना के तहत मधुमक्खी पालन से स्वरोजगार स्थापित कर सकेंगे युवा किसान

पहले चरण में करनाल, कुरुक्षेत्र, झज्जर व सोनीपत में दिया जाएगा प्रशिक्षण

भास्कर न्यूज | हिसार

हरियाणा के भूमिहीन, बेरोजगार, अशिक्षित ग्रामीण पुरुष व महिला कृषकों को अब मधुमक्खी पालन के प्रति रुचि पैदा करने व छोटी मधुमक्खी पालन इकाई की स्थापना कर इसे स्वरोजगार के रूप में अपनाने में आर्थिक व तकनीकी मदद मिलेगी। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के बीच एमओयू हुआ है। अब युवा किसान मधुक्रांति योजना के तहत मधुमक्खी पालन से स्वरोजगार स्थापित कर सकेंगे।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज की उपस्थिति में विश्वविद्यालय की ओर से अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड की तरफ से उत्तरी क्षेत्रीय पाइपलाइन के कार्यकारी निदेशक एसके कनौजिया ने इस एमओयू पर हस्ताक्षर किए। इस दौरान इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड की तरफ से उत्तरी क्षेत्रीय पाइपलाइन से डिप्टी जनरल मैनेजर नीरज सिंह व मैनेजर अनुराग जयसवाल भी मौजूद रहे।

एमओयू साइन करते हकृवि कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के अधिकारी।

हरियाणा शहद उत्पादन में अग्रणी राज्यों में से एक है। मधुमक्खी पालन क्षेत्रों में हरियाणा राज्य पूरे देश का प्रतिनिधित्व करता है। प्रदेश के भूमिहीन, बेरोजगार, अशिक्षित व कम जोत वाले किसान मधुमक्खी पालन को रोजगार के रूप में अपनाकर अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत कर सकते हैं।

इंडियन ऑयल कोर्पोरेशन लिमिटेड के उत्तरी क्षेत्रीय पाइपलाइन के कार्यकारी निदेशक एसके कनौजिया ने बताया कि हरियाणा में मधुमक्खी पालन में रोजगार के बेहतरीन अवसर हैं। कीट विज्ञान विभाग की अध्यक्ष एवं परियोजना अधिकारी डॉ. सुनीता यादव ने बताया कि हरियाणा के विभिन्न जिलों में वैज्ञानिक मधुमक्खी पालन और इसमें विविधिकरण को अपनाने से स्थाई आर्थिक व पोषण सुरक्षा विषय पर आधारित मधुक्रांति योजना के तहत शुरुआती चरण में हरियाणा के चार जिलों का चयन किया गया है। जिनमें करनाल, कुरुक्षेत्र, झज्जर व सोनीपत शामिल हैं। यहां युवाओं व महिलाओं को छोटी मधुमक्खी पालन इकाई की स्थापना कर इन्हें स्वरोजगार के रूप में अपनाने के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा। कृषि विज्ञान केंद्रों की देखरेख व उनकी मदद से प्रशिक्षकों को उनके उत्पादों की मार्केटिंग करने में भी मदद की जाएगी। साथ ही उन्हें मधुमक्खी पालन इकाइयों का भी भ्रमण करवाया जाएगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	14-12-23	4	7-8

आलू की फसल में पछेती झुलसा बीमारी की संभावना, फफूंदनाशक दवा का छिड़काव करें

10 दिन के अंतराल में जल निकास का प्रबंध व खरपतवार नष्ट करें

भास्कर न्यूज | हिसार

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान, शिमला-हिमाचल प्रदेश द्वारा विकसित इंडो-ब्लाइटकास्ट पैन इंडिया मॉडल से पछेती झुलसा बीमारी का पूर्वानुमान लगाया गया है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि वैज्ञानिक फसलों में आने वाली समस्याओं के बारे में समय से पहले किसानों को लगातार सलाह दे रहे हैं।

इसी कड़ी में आलू से संबंधित किसानों को सलाह दी जा रही है कि भविष्य में हिसार में आलू की फसल में पछेती झुलसा बीमारी आने की संभावना है, जिन किसानों ने आलू की फसल में अभी तक फफूंदनाशक दवा का छिड़काव नहीं किया है या जिनकी आलू की फसल में पछेती झुलसा बीमारी नहीं हुई है।

यह हैं बीमारी के लक्षण

कृषि महाविद्यालय के सब्जी विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. एसके तेहलान ने कहा कि पछेती झुलसा बीमारी फाइटोपथोरा इन्फेसटाइंस फफूंद के कारण होता है, जिसका प्रभाव पत्तियों, तने व कदों पर दिखता है। बीमारी के प्रारंभिक लक्षण पौधों की पत्तियां गहरे भूरे व बैंगनी रंग में बदल जाती हैं। पौधों की पत्तियों पर चारों तरफ हल्के पीले रंग का घेरा भी बन जाता है। तापमान में अधिक नमी व बादल छाने पर पत्तियों की निचली सतह पर फफूंद की परत जमने लगती है।

उन्होंने कहा कि किसान मैन्कोजेब इंडोफील एन-45 या मैनजेब दवा 600 से 800 ग्राम प्रति एकड़ के हिसाब से छिड़काव करें। साथ ही 10 दिन के अंतराल में किसान आलू की फसल से जल निकासी का उचित प्रबंध करें और खेतों को खरपतवार रहित रखें।